राजेंद्र सेतु की सड़क क्षतिग्रस्त, भारी वाहनों के परिचालन पर रोक

- सेतु के क्षतिग्रस्त स्थान की बैरिकेडिंग करायी गयी, चौकसी बढ़ी

प्रतिनिधि ▷ मोकामा

राजेंद्र सेतु पर सड़क हुई क्षतिग्रस्त और दूसरी तरफ सेतु पर पड़ी दरार.

राजेंद्र सेतु के सड़क मार्ग में फिर दरार आ गयी. इसको लेकर प्रशासन ने भारी वाहनों के परिचालन पर रोक लगा दी है. तकरीबन दस दिन पहले ही टूटी हुई सड़क की मरम्मत हुई थी. बताया जा रहा है कि क्षतिग्रस्त सड़क का नये सिरे से मरम्मत कार्य जल्द ही शुरू किया जायेगा. इस बीच छोटे वाहनों का सेतु पर वनवे परिचालन होगा. फिलहाल सेतु के क्षतिग्रस्त स्थान की बैरिकेडिंग करायी गयी है. वहीं, यहां पुलिस की चौकसी भी बढ़ा दी गयी है. हथिदह थानेदार रविरंजन सिंह ने जानकारी दी कि भारी वाहनों को रोकने के लिए बैरियर लगाए जायेंगे. वहीं, राजेंद्र सेतु के दुरुस्त होने तक भारी वाहनों का आवागमन ठप रहेगा. मालूम हो कि सेतु के सड़क मार्ग को दुरुस्त करने के लिए नये सिरे रोड क्रॉस गाडर को बदला गया था. कोलकाता की कंपनी ने यह काम पूरा किया था. सेतु के जीर्णोद्धार में तकरीबन दो वर्षों का समय लगा था. इस बीच आमलोगों को काफी कठिनाईयों का सामना करना पड़ा था. सेतु के जीर्णोद्धार के बाद रेल इंजीनियरों की टीम ने पड़ताल की थी. वहीं, सेतु से तकरीबन 25 टन क्षमता तक वाले वाहनों के परिचालन की इजाजत दी गयी थी. स्थानीय लोगों का कहना है कि वर्तमान स्थिति इसके ठीक विपरीत बन गयी थी. ओवर लोडेड ट्रक 100 टन से अधिक भार लेकर राजेंद्र सेतु से गुजर रहे थे. इससे सेतु की स्थिति जर्जर हो गयी, जबकि बेगूसराय के जीरो माइल के पास वाहनों पर ओवरलोडिंग की जांच पिछले साल शुरू हुई थी, ताकि राजेंद्र सेतु की सुरक्षा हो सके,लेकिन वाहनों की जांच की कार्रवाई का कोई असर नहीं हुआ. इससे सेतु के अस्तित्व पर एक बार फिर संकट मंडरा रहा है.

पटना व बेगूसराय पुलिस रोक की करेगी कार्रवाई

राजेंद्र सेतु के सड़क मार्ग की ढलाई क्षतिग्रस्त है. भारी वाहनों के परिचालन पर रोक लगा दी गयी है. पटना व बेगूसराय पुलिस संयुक्त रूप से भारी वाहनों को रोकने की कार्रवाई करेगी.

सुमित कुमार, बाढ़ एसडीओ

राजेंद्र सेतु में फिर दरार, भारी वाहनों के परिचालन पर रोक

मोकामा. राजेंद्र सेतु के सड़क मार्ग में फिर दरार आ गयी. इसके कारण उस पर भारी वाहनों के परिचालन पर रोक लगा दी गयी है. करीब 10 दिन पहले ही टूटी हुई सड़क की मरम्मत हुई थी. बताया जा रहा है कि क्षतिग्रस्त सड़क का नये सिरे से मरम्मत जल्द